सीएससआईआर-सीरी में सहायकों/आशुलिपिकों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन
(सीएसआईआर-एचआरडीसी, गाज़ियाबाद के सौजन्य से)

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में प्रशासनिक व अन्य अनुभागों/प्रभागों में कार्यरत सहायकों व आशुलिपिकों के लिए सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), गाज़ियाबाद के सौजन्य से दिनांक 27-29 नवंबर, 2017 तक ***तीन-दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम*** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायकों व आशुलिपिकों के अतिरिक्त अन्य अधिकारी एवं सहकर्मी भी सम्मिलित हुए।

कौशल विकास कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए
प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक ***प्रोफेसर शांतनु चौधुरी*** ने भी सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने कहा वर्तमान समय में सीएसआईआर संक्रमण (परिवर्तन) के दौर से गुज़र रहा है। इसलिए आज सीएसआईआर में न केवल वैज्ञानिकों अपितु प्रशासन सहित सभी कार्मिकों पर परिणामोन्मुखी अथवा होने का दबाव है, इसीलिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों में गत्यात्मकता का संचार होता है और गत्यात्मकता या गतिशील रहने से ही प्रशासन अधिक सक्षम और कार्य कुशल हो सकता है। प्रोफेसर चौधुरी ने इस अवसर पर पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सार्वजनिक या सरकारी निधि का उपयोग करते हैं अत: इस दिशा में भी हमारा दायित्व और बढ़ जाता है। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों से गंभीरता पूर्वक इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने का आह्वान किया तथा आशा व्यक्त की कि हम सभी भारत सरकार और सीएसआईआर के उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक होंगे।

इससे पूर्व उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के समन्वयक तथा सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), गाज़ियाबाद के प्रधान वैज्ञानिक ***श्री अजीत सिंह*** ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए बताया कि एचआरडीसी देश भर में फैली सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में इस प्रकार के 24 कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं व संस्थानों में कार्यरत प्रशासनिक जनशक्ति को भारत सरकार व सीएसआईआर के नियमों-विनियमों की जानकारी देते हुए उनका कौशल विकास करना है ताकि वे अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर उन्होंने तीन-दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण भी दिया।

कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए संकाय सदस्य ***श्री राम स्वरूप***, उप-सचिव, सीएसआईआर मुख्यालय ने कहा कि यद्यपि नियम पुस्तिका में सभी नियम व विनियमों की जानकारी दी गई है परंतु इसके बावजूद इन आगामी तीन दिनों में हम अपने साथी-प्रतिभागियों को कार्य के दौरान सामने आने वाली संभावित दिक्क्तों को दूर करने का प्रयास करेंगे ताकि आप काम के दौरान सहज रहें और अपना कार्य सुचारु व तीव्र गति से कर सकें। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि इस कार्यक्रम के उपरांत आप सभी कम ऊर्जा, अधिक तीव्रता और दक्षता से अपना काम कर सकेंगे।

सहकर्मियों को संविधान दिवस की शपथ दिलाते हुए
प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

संविधान दिवस की शपथ लेते हुए सहकर्मी

संविधान दिवस की शपथ

इसके उपरांत निदेशक महोदय ने सभागार में उपस्थित सभी सहकर्मियों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई। उन्हों ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बन कर तैयार हुआ था। उन्होंने देश के नीति-नियंताओं द्वारा देश को उत्कृष्ट संविधान देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए श्री महेन्द्र सिह, अनुभाग अधिकारी

इससे पूर्व उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए ***श्री महेन्द्र सिह***, अनुभाग अधिकारी ने संस्थान में यह आयोजन करने के लिए एचआरडीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक ***श्री के पी शर्मा*** ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं संकाय सदस्यों का स्वागत किया।

तकनीकी सत्र के दौरान व्याख्यान देते हुए
श्री राम स्वरूप, उपसचिव, सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली

तकनीकी सत्र

सीएसआईआर-एचआरडीजी, गाज़ियाबाद के सौजन्य से आयोजित किए गए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में सीएसआईआर मुख्यालय एवं एचआरडीसी एवं आईएसटीएम, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को भर्ती व मूल्यांकन, छुट्टी यात्रा रियायत(एलटीसी), जीएफआर, वरिष्ठता, सेवा व आचरण नियम, सतर्कता, आरटीआई, टिप्पण व प्रारूप लेखन, प्रापण और निविदा प्रक्रिया आदि पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे व संकाय सदस्यों से उत्तर प्राप्त कर अपनी जिज्ञासा शांत की।

तकनीकी सत्रों में दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नवत है –

दिनांक - 27 नवंबर, 2017

1.सीएसआईआर भर्ती एवं मूल्यांकन नियम

श्री राम स्वरूप, उप-सचिव, सीएसआईआर मुख्यालय

2. वरिष्ठता एवं पदोन्नति/एमएसीपी

श्री राम स्वरूप, उप-सचिव, सीएसआईआर मुख्यालय

3. सेवा मामले तथा निवारक सतर्कता

श्री राम स्वरूप, उप-सचिव, सीएसआईआर मुख्यालय

4. कार्य स्थल पर आत्म-प्रभावात्मकता

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

5. शासन (गवर्नेन्स) में नैतिकता

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

दिनांक - 28 नवंबर, 2017

6. आचरण नियम

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

7. सूचना का अधिकार (आरटीआई) तथा अभिलेख प्रबंधन

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

8. टिप्पण एवं प्रारूप लेखन

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

9. कार्यालय पद्धति/प्रक्रिया

श्री अपेन्दु गांगुली, पूर्व उप-निदेशक, वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र एवं आईएसटीएम

10. सीएसआईआर प्रापण प्रक्रिया तथा उभरती प्रवृत्तियाँ : एक अवलोकन

श्री ब्रजेश शर्मा, भंडार एवं क्रय नियंत्रक, सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली

11. निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) एवं निविदा दस्तावेज़ तैयार करना

श्री ब्रजेश शर्मा, भंडार एवं क्रय नियंत्रक, सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली

दिनांक - 29 नवंबर, 2017

12. सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) एवं वित्तीय प्रबंधन

श्री बलजीत सिह, पूर्व संकाय सदस्य, आईएसटीएम

13. यात्रा भत्ता/अवकाश यात्रा रियायत

श्री बलजीत सिह, पूर्व संकाय सदस्य, आईएसटीएम

समापन सत्र

संस्थान में आयोजित किए गए तीन-दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का समापन सत्र 29 दिसंबर, 2017 को संस्थान के पुराने सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य वैज्ञानिक ***डॉ जमील अख़्तर*** ने की। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र(एचआरडीसी), गाज़ियाबाद की ओर से प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट करते हुए
डॉ जमील अख़्तर, कार्यकारी निदेशक

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने संस्थान में आए सभी अतिथि वक्ताओं/संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में ज्ञान व जानकारी के साथ-साथ उसे सकारात्मक रूप से उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सीखना एक अनवरत प्रक्रिया है और सीखने व अध्ययन करने से हमेशा लाभ ही होता है। उन्होंने कहा कि हमें काम को बोझ नहीं समझना चाहिए और उसका आनंद लेते हुए उसे पूरा करना चाहिए। उन्होने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से कार्यालयों में सकारात्मक व अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद मिलती है। डॉ अख़्तर ने कहा कि इसके साथ-साथ हममें कार्यालय में एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना का होना भी ज़रूरी है तभी हम परस्पर नज़दीक आ सकेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि हमारे सभी साथियों के लिए यह कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी रहा होगा और आशा व्यक्त की कि वे इस दौरान अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक कार्यालयी कार्यों में करेंगे।

इससे पूर्व कार्यक्रम के समन्वयक ***श्री अजीत सिह***, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एचआरडीसी, गाज़ियाबाद ने कार्यक्रम की संक्षिप्त विवरण दिया तथा सीएसआईआर-सीरी द्वारा इस कार्यक्रम के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं हेतु निदेशक महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों से आयोजन के संबंध में प्रतिपुष्टि (फीड बैक) फॉर्म भी भरवाए गए। प्रतिभागियों ने आयोजन के दौरान दिए गए व्याख्यानों की प्रशंसा की और आयोजन को लाभदायक बताया।

समापन सत्र में कार्यक्रम विवरण देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक
श्री अजीत सिह, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एचआरडीजी, गाज़ियाबाद

समापन सत्र का संचालन ***श्री पंकज गोस्वामी***, अनुभाग अधिकारी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत करते हुए इसे सहकर्मियों के लिए अत्यंत उपयोगी व लाभदायक बताया।

अंत में ***श्री के पी शर्मा***, प्रशासन नियंत्रक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागी इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दिए व्याख्यानों से अवश्य लाभान्वित हुए होंगे और आशा व्यक्त की कि वे इस कार्यक्रम के माध्यम से अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक कार्यालयी कार्य में करेंगे।